महाकाली की शोभायात्रा लटकारी के पड़ाव वाली माता की शोभायात्रा में दशहरे जैसा माहौल, जगह जगह हुआ पूजन-अर्चन, वंदन

महाकाली के अंतिम दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब



नवभारत,जबलपुर। लटकारी का पड़ाव में स्थापित 'जबलपुर की महारानी' के नाम से प्रसिद्ध मां 'महाकाली' जैसे ही विसर्जन के लिए अपने पंडाल से निकलीं तो सड़कों पर आस्था का सैलाब मां की एक झलक पाने बेताब नजर आया। आलम ये था कि जुलूस मार्ग में पैर रखने तक की जगह नहीं थी और सभी मां महाकाली से प्रार्थना करने में जुट गए। पूरा माहौल दशहरे जैसे सड़क पर बन गया और ये शोभायात्रा जैसे ही रामपुर के पास पहुंची ठीक वैसे ही अन्य दुर्गा प्रतिमाओं और मां महाकाली की अन्य प्रतिमाएं इस शोभायात्रा में शामिल हों गई जिसने माहौल कई गुना अधिक धमर्मय कर दिया।

जानकारी के अनुसार मां महाकाली की एक झलक पाने के लिए सड़कों पर बच्चे, महिलाएं एवं बुजुर्गों ने सारी रात रतजगा किया और मां को अंतिम विदाई दी, फिर भटौली विसर्नज कुंड में सुबह मां महाकाली का विधि विधान से पूजन अर्चन कर विसर्जन किया गया। इस दौरान जय काली जय काली के जयघोष भी बहुत देर तक सुनाई दिए।

70 से अधिक जगह भण्डारे का आयोजन

पड़ाव से लेकर ग्वारीघाट तक महाकाली के भक्तों के लिए मार्ग में करीब 70 से अधिक जगह भण्डारों का आयोजन किया गया जिसके प्रसाद को बड़ी संख्या में भक्तों ने ग्रहण किया। खबर है कि भण्डारा का आयोजन करने वाले कई लोग प्रदेश के कई शहरों से भी जबलपुर पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार रामपुर चौक से गौरीघाट इलाके तक पूरी रात भर चहल पहल रही और माहौल आस्था के सैलाब के साथ खुशनुमा हो गया।

पुलिस बल रहा मुस्तैद

जुलूस एवं विसर्जन हो लेकर एहतियातन भारी पुलिस बल की तैनाती संपूर्ण रूट पर की गई। एएसपी, सीएसपी से लेकर आधा दर्जन से अधिक निरीक्षक पूरे बल के साथ जुलूस मार्ग से होते हुए भटौली स्थित विसर्जन स्थल तक श्रद्धालुओं के साथ मौजूद रहे। यहां तक की माता महाकाली जिस वाहन में सवार होकर निकलीं थीं उसमें भी पुलिस की गार्ड मौजूद थी। साथ ही जिला प्रशासन और नगर निगम के अनेक अधिकारी जुलूस मार्ग पर नजर आए। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर 2018 की सुबह ग्वारीघाट के झंडा चौक में महाकाली के विसर्जन और महाकाली के पीछे ही दूसरी समिति की महाकाली के जुलूस को लेकर हुए टकराव के बाद मौके पर बवाल मच गया था, जिसके बाद से पुलिस प्रशासन एहतेयात के तौर पर मां काली जी की शोभायात्रा में ज्यादा सक्रिय रहती है।

मां महाकाली की शोभायात्रा का किया स्वागत

लटकारी पड़ाव में विराजमान 'जबलपुर की महारानी' माँ महाकाली की विसर्जन शोभायात्रा का रेलवे वाणिज्य परिवार, जबलपुर द्वारा लगातार आठवें वर्ष पवन सुत अपार्टमेंट, नर्मदा रोड के सामने भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे वाणिज्य परिवार के 100 से अधिक सदस्य अपने परिवार सहित शामिल हुए। कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक देवेश सोनी, नितेश सोने, सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह ,धर्मेंद्र सिंह तथा पूर्व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों एवं रेलकर्मियों ने माँ महाकाली की शोभायात्रा का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ स्वागत किया। आयोजन को सफल बनाने में पवन सुत अपार्टमेंट के अध्यक्ष पी.के. तिवारी एवं समस्त रहवासियों का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त न्यू कुमार ज्वेलर्स के शिव सोनी, जैन एंड कंपनी तथा मुस्कान टाइल्स का भी सराहनीय योगदान रहा। विदित हो कि रेलवे वाणिज्य परिवार द्वारा लगातार आठ वर्षों से निभाई जा रही यह परंपरा धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता, सेवा भावना एवं पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक बन चुकी है। आयोजन के अंत में रेलवे वाणिज्य परिवार ने सभी अधिकारियों, रेल साथियों, सहयोगियों एवं स्थानीय रहवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शास्त्री नगर-मेडिकल पुरवा का 25वां ऐतिहासिक दशहरा संपन्न



नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर की ऐतिहासिक दशहरा चल समारोह परंपरा की गौरवशाली श्रृंखला में शास्त्री नगर-मेडिकल पुरवा का 25वाँ दशहरा चल समारोह अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में पूज्य संत वृंद, ज्ञानेश्वरी दीदी, नरसिंह पीठाधीश्वर पूज्य नरसिंह दास जी महाराज एवं हनुमान बाग, गढ़ा के संस्थापक पूज्य ब्रजेश मिश्र जी महाराज की पावन उपस्थिति रही। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री एवं जबलपुर पश्चिम के विधायक राकेश सिंह के आतिथ्य में भगवान श्रीराम, माता सीता एवं भगवान हनुमान जी के चरण पूजन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सिंह जी ने रामदरबार एवं प्रथम प्रतिमा का पूजन कर चल समारोह को विधिवत प्रारंभ किया। समारोह के दौरान पूज्य संतों के आशीर्वचन प्राप्त हुए, जिन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

पार्षद जीतू कटारे ने बताया कि शास्त्री नगर-मेडिकल पुरवा का दशहरा चल समारोह अपनी 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूर्ण कर चुका है। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक भव्य एवं यादगार बनाती है।समारोह के दौरान राजेश बड़गैया ,राहुल साहू, ,सुनील गोस्वामी, विजय प्रजापति, अमित उपाध्याय, धर्मेंद्र यादव, संदीप पटेल, संतोष चक्रवर्ती, सचिन बुधौलिया, संकल्प सोनी, दिलावर,धीरू सिंह, मोनू सरकार,सर्वेश सक्सेना, दिनेश लोधी, विपिन पटेल, दिलीप गर्ग सहित अन्य स्थानीय जन मौजूद रहे।

आकर्षक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाई शोभा

चल समारोह में सम्मिलित विभिन्न धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। आकर्षक साज-सज्जा, बैंड दल तथा जगमगाती रंग-बिरंगी प्रकाश रश्मियों से सुसज्जित 13 समितियों की सहभागिता ने समारोह की भव्यता को और बढ़ा दिया। चल समारोह का मंच संचालन पार्षद जीतू कटारे द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हुए संतों, अतिथियों, आयोजन समिति के सदस्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

एक नजर में

श्रीरामलीला के आयोजन को जन-जन तक पहुंचाने जताया आभार

नवभारत, जबलपुर। श्रीरामलीला समिति गढ़ा जाबालिपुरम द्वारा आयोजित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के षष्ठी पूर्ती 60वें मंचन महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 18 दिवसीय रामलीला महोत्सव को अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रमुखता से स्थान प्रदान कर जन-जन तक पहुँचाने के लिए आप सभी के प्रति समिति हृदय की गहराइयों से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अपनी लेखनी, निष्पक्ष पत्रकारिता और सकारात्मक समाचारों के माध्यम से न केवल रामलीला के विभिन्न प्रसंगों को जन-जन तक पहुँचाया, बल्कि हमारी गौरवशाली धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परंपरा को भी नई पहचान प्रदान की है। जिससे श्रद्धालुओं एवं दर्शकों में उत्साह का संचार किया तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग, सत्य और धर्म के संदेश को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज मनाई जाएगी महाराज अजमीढ़ देव की जयंती

नवभारत,जबलपुर। स्वर्णकार समाज के आराध्य देव महाराजा श्री श्री महाराजा अजमीढ़ देवजी की जयंती जबलपुर स्वर्णकार समाज द्वारा 26 अक्टूबर दिन सोमवार शाम 7 बजे शीतलपुरी बल्देवबाग अग्रवाल बारात घर में मनाई जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन स्वर्णकार फैमली बी.सी. के लगभग 400 महिला और पुरुष सदस्यों द्वारा किया जायेगा । प्रमुख कार्यक्रमों में सर्व प्रथम महाराजा अजमीड़ देव जी का पूजन अर्चन, समाज के वरिष्ठ जनों एवं अतिथियों का सम्मान, और कपल गरबा डांस का आयोजन स्वर्णकार समाज फैमली बी.सी. के महिला एवं पुरुष सदस्यों द्वारा पारंपरिक परिधान कुर्ता पैजामा एवं लहंगा चोली पहन कर किया जाएगा । साथ ही स्वर्णकार समाज के मार्गदर्शक प्रेरक व सहयोगी एडवोकेट महेश सोनी एवं डॉक्टर श्याम सुंदर हेमकार का सम्मान किया जाएगा ।

45 यूनिट रक्त एकत्रित कर बढ़ाई जागरूकता



नवभारत,जबलपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लाइफ मेडिसिटी हॉस्पिटल आगा चौक, जबलपुर में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 45 यूनिट रक्तदान हुआ। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी (प्रदेश सह-संयोजक), डॉ. विवेक जैन (महानगर संयोजक), डॉ. शुभम् अवस्थी (कार्यक्रम प्रभारी), लाइफ मेडिसिटी के संचालक डॉ. मुकेश श्रीवास्तव एवं डॉ. विवेक दीवान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने बताया कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस रक्तदान शिविर के माध्यम से थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए रक्त उपलब्ध कराने का प्रयास समय-समय पर किया जाता है। इस अवसर पर डॉ.अमरेंद्र पांडेय, डॉ.सचिन बुधौलिया, डॉ.सुनील दुबे, डॉ.श्याम सिद्दा, डॉ. श्रीकांत साहू, नीलू जैन, रोशनी आनंदी, डॉ. मुकेश पांडेय, सतेंद्र दुबे, पुनीत सहित अन्य चिकित्सक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नेत्रदान से दो मरीजों के जीवन में आया उजाला

मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग ने किया सफल प्रत्यारोपण



नवभारत,जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के नेत्र रोग विभाग द्वारा दो दृष्टिबाधित मरीजों का सफलतापूर्वक नेत्र प्रत्यारोपण किया गया ।शोक की घड़ी में डोनर परिवार द्वारा लिए गए इस मानवीय फैसले को डॉक्टरों की टीम ने पूरी संवेदनशीलता और चिकित्सकीय कुशलता के साथ अंजाम दिया।

यह प्रत्यारोपण मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना एवं अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा के मार्गदर्शन तथा नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मिनी वरखेड़े और डॉ. यू. पी. दीपांकर के कुशल नेतृत्व में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा पूरी तत्परता और आधुनिक तकनीकी सटीकता के साथ सफल बनाया गया। नेत्र ज्योति मिशन, बरेला की प्रेरणा से स्व. राधा बाई रजक के परिवार ने नेत्रदान का प्रेरक निर्णय लिया, जिसके लिए नेत्र विभाग की टीम ने आभार जताया है।

चादर जुलूस और कुल शरीफ के साथ उर्स-ए-सलामी



नवभारत,जबलपुर। रानीताल स्थित ईदगाह कलां में आयोजित उर्स-ए-सलामी, बुरहानी एवं मेहमूदी के दूसरे दिन रविवार को आगा चौक से चादर जुलूस निकाला गया। जुलूस की क़यादत मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी एवं हज़रत मौलाना इनामुल हक़ कादरी ने की। परंपरागत शानो-शौकत के साथ निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में नातख्वां हज़रात नात शरीफ पेश कर रहे थे और अकीदतमंद उन्हें नजराना पेश कर रहे थे। प्रमुख मार्ग से होता हुआ जुलूस रानीताल स्थित ईदगाह पहुंचा, जहां मजार-ए-मुबारक पर चादरपोशी एवं गुलपोशी की गई।

इसके बाद नमाज-ए-मगरिब के बाद हज़रत बुरहान-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा एवं हज़रत मेहमूद-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा के कुल शरीफ और हज़रत हामिद-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा की सालाना फ़ातिहा ख्वानी की गई। इस मौके पर नायब मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हज़रत सूफी जियाउल हक़ कादरी बुरहानी ने उर्स में तशरीफ लाए तमाम अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा किया।

भगवान रामचंद्र का हुआ अभिषेक एवं तिलक



नवभारत, जबलपुर। भगवान रामचंद्र मुकुट अभिषेक धारण कर प्रथम तिलक गुरुदेव जगद्गुरु राजा रामाचार्य स्वामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सीताराम कुरचानिया, संदीप चौकसे मधुर तिवारी, अभिषेक चौकसे, धनंजय बाजपेई, प्रवण अवस्थी, अभय नायडू, आकाश नायडू सहित आदि उपस्थित थे। इस दौरान जगद्गुरु राजा रामाचार्य ने कहा कि प्राणी जगत में गुरूजी द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ मानव जगत कल्याण के लिए जीने का उपदेश दिया गया। रामचरण के स्वामी है प्राणी जगत कल्याण जीवन का आधार बिंदु होना चाहिए यही धनुष यज्ञ रामलीला समिति को प्राचीन रामलीला जो तुलसीदास द्वारा 1725 में बनारस से प्रारंभ हुई थी जो निरंतर संपूर्ण राष्ट्र को एक नया जीवन प्रदान करती है। रविवार को धनुष्यगर रामलीला समिति का विसर्जन का दिन था जो धूमधाम से मनाया गया। रामलीला मैदान में पुरस्कार वितरण 27 अक्टूबर रात्रि 8 बजे आयोजित किया जाएगा।

दंडी स्वामी कालिकानंद को अश्रुपूरित समाधि



नवभारत, जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट के संस्थापक एवं संचालक दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद महाराज के ब्रह्मलीन महाप्रयाण की सन्यास परम्परा के समय महामण्डलेश्वर अखिलेशवरनंद महाराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गुरुदेव महाराज एवं दंडी स्वामी को भारतीय संस्कृति का संरक्षक एवं सनातनी स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनका आध्यात्मिक प्रकाश और मार्ग दर्शन सदैव सभी के हृदय में जीवित रहेगा।

कालीधाम परिसर से दंडी स्वामी की समाधि, देव लोक गमन यात्रा कालीधाम की परिक्रमा करती हुई कालीधाम प्रांगण पहुंची। इसके उपरांत सन्यास परम्परानुसार कालीधाम के पीठाधीशवर एवं महामण्डलेश्वर डॉ. स्वामी राधेचैत्यनय महाराज ने सन्यास परम्परा का पालन करते हुए समाधि की रस्म आचार्य पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सभी संत समाज की उपस्थिति में संपन्न की। इस अवसर पर गुरूदेव द्वारा स्थापित हिन्दुस्तान के सभी मठों से महंतो, गुरू भाईयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर संत समाज से जगतगुरू नरसिंह देवाचार्य, दंडी स्वामी नर्मदानंद महाराज, जगतगुरू बाल गोविंदा देवाचार्य महाराज, जगतगुरू राघवदेवाचार्य महाराज, कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद, राजा रामाचार्य महाराज, ज्ञानेश्वरी दीदी, मैथली दीदी, पं रोहित दुबे, विवेक अवस्थी, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, संदीप जैन, रिंकू विज, आदि ने गुरुदेव महाराज को अश्रुपूरित समाधि दी।

अश्विनी पूर्णिमा में 10 दिन के वर्षावास का समापन

बुद्धं शरणं गच्छामि की रही गूंज



नवभारत,जबलपुर। विश्वदीप बुद्ध विहार रामपुर छापर जबलपुर के तत्वाधान में रविवार को अविश्नी मास की पूर्णिमा के दिन 10 दिन का वर्षावास का समापन बड़ी धूम धाम से हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष वन्दना गायकवाड़ ने विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध की की प्रतिमा पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित की एवं पुष्प अर्पित की। कार्यक्रम सचिव अनीता काम्बले ने विश्वरत्न बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प किया और मीना खापर्डे, सुजाता इंगले,निधी तंभाने ने 90 दिन के वर्षावास के समापन पर महा परित्राण पाठ किया।

इस दौरान बुद्धं शरणं गच्छामि,धम्मं शरणं गच्छामि, सघं शरणं गच्छामि की गूंज रही। कार्यक्रम अध्यक्ष वन्दना गायकवाड़ ने 90 दिन के वर्षावास में कहा कि माता-पिता की सेवा करना, पुत्र रूत्री का पालन पोषण करना, कुशल कर्म करना, उत्तम मंगल है । अविश्नी पूणिमा में 90 दिन का वर्षावास के समापन पर उपासक एवं उपासिकाओं को विश्वगुरू तथगत गौतम बुद्ध की खीर एवं फल का प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर धम्म सेवा मंडल के वन्दना गायकवाड़, अनिता काम्बले, कृपा खरे, मीना खापर्डे, निधी तंभाने सुजाता इंगले, वीरेन्द्र बौद्ध, टी. डी. हुमने, सुरेन्द्र इंगले, नीलेश सोमकुंवर, सिध्दार्थ खरे, आन्दन कालपाण्डे, धमेन्द्र तांबे, सतीश तभाने सहित बौद्ध विहार के सदस्य मौजूद रहे।

लोकार्पण आधुनिक नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में जबलपुर ने बढ़ाया एक और कदम

छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण



नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण रविवार को गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे थे। अध्यक्षता जबलपुर के महापौर एवं प्रथम नागरिक जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने की, जबकि प्रमुख अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि उपस्थित रहीं।

चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार शहर के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा : सांसद आशीष दुबे मुख्य अतिथि सांसद आशीष दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जबलपुर आज आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल जैसे आधुनिक नेत्र चिकित्सा संस्थान का विकसित होना जबलपुर की स्वास्थ्य सेवाओं को आगे ले जाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डॉ. अखिलेश नेमा एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि ने भी चिकित्सा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के विकास के प्रयासों की सराहना करते हुए अस्पताल प्रबंधन को साधुवाद दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने नव-निर्मित भवन के लोकार्पण पर डॉ. अखिलेश नेमा एवं उनकी टीम को शुभकामनाएँ दीं।

जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति

समारोह में विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडेय, अजय विश्नोई, सुशील कुमार तिवारी 'इंदु भैया', लखन घनघोरिया एवं नीरज सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त तीर्थ एवं मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज तथा भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के अध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित अन्य गणमान्यजन ने समारोह में सहभागिता की।इस अवसर पर हटा, दमोह से विशेष रूप से पधारे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सी. एल. नेमा तथा वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. एन. नेमा भी उपस्थित रहे। परम आदरणीय गुरुवर भगवान श्री करपात्री जी महाराज के शिष्य पूज्य शिवमित्रानंद की उपस्थिति भी समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा रही।

आधुनिक सुविधाओं के साथ जनसेवा का संकल्प

अस्पताल के संचालक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश नेमा ने कहा कि छवि नेत्र चिकित्सालय से छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल तक की यात्रा मरीजों के विश्वास, चिकित्सकीय अनुभव और बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के संकल्प का परिणाम है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अखिलेश नेमा ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, सहयोगियों, परिवारजनों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भेड़ाघाट में गूंजेगा संकीर्तन, स्वर्ण कलश की अंतिम परिक्रमा आज



नवभारत, जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में चातुर्मास विश्राम पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज सोमवार को शरद स्नान दान पूर्णिमा पर सुबह 6 बजे नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश, भगवान राधा-कृष्ण, लड्डू गोपाल तथा तुलसी मैया की एक साथ संकीर्तन करते हुए 108 परिक्रमाएं प्रारंभ की जाएंगी। यह स्वर्ण कलश की अंतिम परिक्रमा होगी। इसके साथ ही 24 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा मंगलवार को प्रात: 8:30 बजे 504 वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ का विशाल आयोजन आश्रम परिसर में संपन्न होगा। इसी पावन संदर्भ में चंद्रा मोटर दमोह नाका मेगा मार्ट के बाजू में संकीर्ताचार्य सुरेश विश्वकर्मा एवं नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल अध्यक्ष विनोद दीवान के सानिध्य में महाकुंभ कार्यालय का विधि-विधान पूर्वक उद्घाटन किया गया।

दमोह नाका में खुला महाकुंभ का मुख्य केंद्र

सैकड़ों वर्षों की निरंतर धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए परिक्रमा संयोजक श्याम मनोहर पटेल के नेतृत्व में नवीन कार्यालय का संचालन आरंभ हुआ। इस पावन अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, पंचकोशी संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, अध्यक्ष दुर्गा पटेल एवं सह संयोजक मनोज गुलाबबानी उपस्थित रहे।

भक्तों की मौजूदगी में संकीर्तन और सेवा संकल्प

उद्घाटन समारोह में शिव कुमार पटेल, विनोद विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, छन्नू राम पटेल, अशोक विश्वकर्मा, वीरेंद्र नामदेव, गणेश विश्वकर्मा, चंद्र कुमार पटेल, रवि प्रताप सिंह, मनोहर विश्वकर्मा, राजेंद्र कसेरा तथा गोपाल ने सम्मिलित होकर आगामी धार्मिक आयोजन को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।